म सनातन धर्म कॉलेज, धौला कुआं, दिल्ली
धालय, नई दिल्ली -110027

पाठ योजना / मॉडल कोर्स हैंडआउट

पाठयक्रम : हिन्दी विशेष, दितीय वर्ष - चतुर्थ सेमेस्टर, **विषय - भारतीय काव्यशात्र**						
सम छमाही	पाठ्यक्रम कोड	विषय	लेक्चर	ट्यूटोरियल	प्रैक्टिकल	क्रेडिट
चतुर्थ सेमेस्टर	12051401	भारतीय काव्यशास्त्र	**2**	**2**	**0**	**4**
अध्यापक		**डॉ . रूबी देवी**				
सत्र		2021-22				

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. **इस पाठयक्रम के माध्यम से विधार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्रीय पद्धति से अवगत कराना है ।**
2. **भारतीय काव्यशास्त्र, समग्र भारतीय जगत के साहित्य-चिंतन का अध्ययन है । इसका विस्तार आचार्य भरत मुनि से लेकर आचार्य पं. पंडित राज जगन्नाथ तक है । इसका इतिहास दूसरी शताब्दी से शुरू होकर आधुनिक काल तक व्याप्त है । इसके माध्यम से विधार्थियो में समझ विकसित करना है ।**
3. **इस पाठयक्रम के माध्यम से विधार्थियो में साहित्य - चिंतन के साथ -साथ विभिन आचार्यों /विचारकों के साहित्याशास्त्र संबन्धित चिंतन, एवं सिद्धांतों/संप्रदायों से भी अवगत कराया जायगा ।**

4. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से प्राचीन से आधुनिकता की ओर विकसित हो रहे भारतीय काव्यशास्त्रीय चिंतन पद्धति एवं नई विचारधाराओं और साहित्य से विधार्थी अवगत हो सकेंगे ।
5. इस पाठयक्रम में विधार्थी आचार्य भरत मुनि से लेकर अब तक साहित्य -शास्त्र के इतिहास को पाँच कालों में विभक्त करते हुए इसके सिद्धांतों, मान्यताओं से अवगत होंगे ।

पाठ्यक्रम का महत्त्व :

1. इस पाठयक्रम के अध्ययन के दौरान विधार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र की पीठिका एवं आचार्य भरत मुनि का ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र 'एवं रस सिद्धांत उसके चार व्याख्याताओं का गंभीरता से अध्ययन कर सकेंगे।
2. विभिन्न आचार्यों के ग्रंथ एवं संप्रदाय (रस ,अलंकार ,रीति ,वक्रोक्ति,ध्वनि ,ऑचित्य सिद्धांत)आदि का अध्ययन कर सकेंगे ।
3. विधार्थी, इन पांचों सिद्धांतों में क्रमश : काव्य के पाँच पक्षों पर बल दिया गया है। अलंकार में काव्य शैली की बाहया साज -सज्जा पर ,रीति में काव्य के स्वाभाविक गुणों ,जैसे शुद्धता ,संक्षिप्ता,स्पष्ठता ,नाद - सोंदार्य आदि पर ,ध्वनि में उसके अर्थ की व्यंग्यात्मकता पर ,वक्रोक्ति में अर्थ की लाक्षणिकता पर और ओचित्य में विषय शैली के पारस्परिक संतुलन पर सर्वाधिक बल , आदि का गहन -चिंतन मनन कर सकेंगे।
4. इस पाठ्यक्रम के दौरान विधार्थी काव्य रूपों द्रश्यकाव्य ,श्रव्य काव्य ,प्रबंध काव्य एवं रूप का गहन अध्ययन कर सकेंगे ।

शिक्षण योजना :

पाठ्यक्रम सूची				
सत्र	2021-22			समयावधि
क्रमां	**सीखने का**	**लेक्चर**	**पढाये जाने वाले विषय**	

क	उद्देश्य	न.		
1	इकाई - 1 भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा काव्य हेतु , काव्य लक्षण ,काव्य प्रयोजन	3	भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा	प्रत्येक कक्षा / एक घंटा
		6	विभिन्न संप्रदायों और उनके आचार्य के विषय में अध्ययन ,	प्रत्येक कक्षा / एक घंटा
		6	काव्य हेतु ,स्वरूप	प्रत्येक कक्षा / एक घंटा
		6	काव्य लक्षण स्वरूप	प्रत्येक कक्षा / एक घंटा
		6	काव्य प्रयोजन ,स्वरूप	प्रत्येक कक्षा / एक घंटा
2	इकाई-4 काव्य रूप : द्रश्यकाव्य (रूपक)एवं (उपरूपक) ,श्रव्य काव्य प्रबंध काव्य ,महाकाव्य ,खंड काव्य ,मुक्तक काव्य के रूप	8	काव्य रूप ,नाटक ,रूपक - उपरूपक	प्रत्येक कक्षा / एक घंटा
		8	पद्ध,गदय ,चंपू रूप ,प्रबंध काव्य महाकाव्य -खंडकाव्य -मुकतक काव्य	प्रत्येक कक्षा / एक घंटा
	कुल			43

प्रस्तावित पुस्तके :

क्रमांक	लेखक/पुस्तक/प्रकाशक के नाम	प्रकाशन / पुनर्प्रकाशन का वर्ष
1	देवेन्द्र नाथ शर्मा, काव्य के तत्व नेशनल पब्लिशिंग कंपनी	प्रथम प्रकाशन, सन1984
2	डॉ. रामचन्द्र तिवारी, भारतीय एवं पाशचातय काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना, विश्वविधालय प्रकाशन, वाराणसी	पूर्णतया परिवर्धित संस्कारण : 2021

3	गणपतिचंद्र गुप्त - भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत	लोकभारती प्रकाशन, संस्कारण - 2009
4	रामचंद्र तिवारी ,भारतीय एवं पाश्चत्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकशन, 2010, पुनर्मुद्रण 2016	लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010
5	भागीरथ मिश्र, भारतीय काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद	विश्वविधालय प्रकाशन, वाराणसी, 2001
6	डॉ. तारक नाथ बाली, भारतीय काव्यशास्त्र	वाणी प्रकाशन, 2020

मूल्यांकन योजना :

क्रमांक	**मूल्यांकन के अवयव**	**अवधि**	**पूर्णांक**
1.	आंतरिक मूल्यांकन	एक घंटा	पच्चीस
	1 प्रश्नोत्तरी		
	2 कक्षा परीक्षण		
	3 उपस्थिति		
	4 असाइन्मंट		
2.	सेमेस्टर के अंत में मूल्यांकन	तीन घंटे	पचहत्तर